SEM-3, Sc-302, BY- Dr. Shyam Bihari Choudhary

TOPIC- VARIOUS SOURCES OF WATER POLLUTION

Date 05/11/2020
Page 1

जल प्रदूषण के विविध स्रोत

1. मानवीय स्रोत (HUMAN SOURCE)

मानव तथा उसके विभिन्न क्रियाकलाप जल प्रदूषण के प्रमुख स्रोत हैं। मानवीय स्रोतों से जल में छोड़ी गई अशुद्धियाँ इतनी अधिक होती हैं कि उन्हें दूर करना जल की प्राकृतिक शोधन (Natural Purification) क्षमता के बाहर हो जाता है। जल प्रदूषण के लिये उत्तरदायी प्रमुख मानवीय क्रिया-कलाप निम्न हैं:

(i) उद्योग (Industry) - विभिन्न उद्योग जल के प्रमुख स्रोत हैं। औद्योगिक प्रक्रमों में मशीनों को ठंडा करने, औद्योगिक परिसर में पर्याप्त नमी बनाये रखने, उत्पादों की प्रोसेसिंग आदि क्रियाओं के लिए जल की अत्यधिक आवश्यकता होती है। औद्योगिक प्रक्रमों में प्रयुक्त जल अन्ततः औद्योगिक बहिःस्राव के रूप में निकलता है। इस जल में अनेक घातक रासायनिक पदार्थ मिले होते हैं। उद्योगों से निकले प्रदूषित जल को नदी, तालाब, झील या समुद्र में प्रवाहित कर दिया जाता है, जो इन राशियों में प्रदूषण का कारण बनता है। वस्त्र- उद्योग, चीनी- उद्योग, शराब उद्योग (डिस्टीलरी) वस्त्र रंगाई उद्योग, चर्म शोधन उद्योग खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, प्रसाधन सामग्री उद्योग आदि। बड़ी मात्रा में हानिकारक रसायन युक्त अपशिष्ट पदार्थ नदी, तालाब, झील व समुद्र में बहा देते हैं।

उद्योगों द्वारा जल प्रदूषण की समस्या मात्र झीलों व नदियों तक ही सीमित नहीं है। समुद्रों के तटवर्ती भागों में स्थित उद्योगों द्वारा छोड़े जाने वाले बहिःस्राव से समुद्री जल भी प्रदूषित होता है। मात्र सतही जल स्रोत ही नहीं अपितु भूमिगत जल भी उद्योगों द्वारा छोड़े गए प्रदूषित जल के सम्पर्क में आने से दूषित हो रहा है।